BPYG-172

कलास्नातक

सत्रीय कार्य- 2021-22

धर्म दर्शन

(Philosophy of Religion)

अंतर विषयक एवं परा-विषयक अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली- 110068

BPYG-172: धर्म दर्शन

अध्यापक कृत मूल्यांकन सत्रीय कार्य

(Teacher Marked Assignment)

प्रिय छात्र,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः 1) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और 2) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत भारांक निर्धारित है। जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत भारांक। 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य हेतु पूर्णांक 100 है, जिसका मूल्यांकन में भारांक 30 प्रतिशत है। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में धर्म दर्शन हेतु सत्रीय कार्य है, जोकि जेनेरिक कोर्स है।

सत्रीय कार्य में दीर्घ-उत्तरीय, लघु-उत्तरीय एवं लघु टिप्पणी से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रमदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की निर्धारित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन-कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए सक्षम महसूस करेंगे।

जमा करनाः जैसा कि कार्यक्रम-दर्शिका में उल्लेख किया गया है, सत्रांत परीक्षा में पात्रता हेतु आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें|

सत्र	जमा करने की अन्तिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 हेतु	30 अप्रैल, 2022	अपने अध्ययन क्रेन्द्र के संचालक के पास।
जनवरी 2022 हेतु	31 अक्टूबर, 2022	अपने अध्ययन क्रेन्द्र के संचालक के पास।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की पावती (रसीद) अपने अध्ययन केन्द्र से अवश्य प्राप्त करें, एवं उस रसीद को संभालकर रखें। सत्रीय कार्य की एक प्रतिलिपि (फोटोकॉपी) भी अपने पास सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन पश्चात् प्राप्त करने हेतु अपने अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र से आग्रह करें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित,

अंतर विषयक एवं परा-विषयक अध्ययन विद्यापीठ

BPYG-172:धर्म दर्शन

(अध्यापककृत मूल्यांकन सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: BPYG-**172**

सत्रीय कार्य कोड: BPYG-172/ASST/TMA/2021-22

अधिकतम अंक: 100

असाइन्मेन्ट, बीपीवाईजी- 172 धर्म दर्शन
(जेनेरिक कोर्स)
Assignment
BPYG-172 Philosophy of Religion
(Generic Course)

नोट:

1. सभी पांच प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 1 और 2 के उत्तर लगभग 400-400 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 20

   अथवा

   रूडोल्फ ऑटो के धार्मिक अनुभव के विश्लेषण पर टिप्पणी लिखिए। 20

2. अ) धार्मिक संघर्षों को सुलझाने के लिए साक्ष्यों की उपादेयता पर टिप्पणी लिखिए।10+10= 20

   आ) क्या आप यह सोचते हैं कि पंथनिरपेक्षतावाद/धर्मनिरपेक्षतावाद (Secularism) का भारतीय संस्करण पंथनिरपेक्षतावाद/धर्मनिरपेक्षतावाद की सामान्य अवधारणा से भिन्न है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

   अथवा

   धर्म की कुछ प्रमुख विशेषताओं की संक्षिप्ततः चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए। 2*10=20

   अ) धार्मिक भाषा के नकारात्मक पथ (Negative Way) पर टिप्पणी लिखिए। 10

   आ) विलियम जेम्स किस तरह धार्मिक अनुभव की वैधता सिद्ध करते हैं? संक्षेप में चर्चा कीजिए।10

इ) ईश्वर की सर्वज्ञता को सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियां हैं? 10

ई) अशुभ की साक्ष्यपरक समस्या (evidential problem of evil) पर टिप्पणी लिखिए।10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए। 4*5= 20

अ) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी प्राकृतिक सिद्धान्त (naturalistic theory) के साथ मूलभूत समस्याएं क्या हैं? 5

आ) धर्म और धर्म दर्शन किस तरह सम्बन्धित हैं? संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

इ) धार्मिक भाषा के अध्ययन के तीन प्रमुख दृष्टिकोण कौन से हैं? 5

ई) एकेश्वरवाद (Monotheism) की मूलभूत मान्यताएं क्या हैं? 5

उ) ईश्वर की सत्ता सिद्धि हेतु प्रस्तुत कलाम युक्ति (kalam cosmological argument) पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) निरीश्वरवाद (Atheism) की चुनौतियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।5*4= 20

अ) साक्षात्कार (इलहाम, Revelation) परम ज्ञान के प्रमाण/स्रोत के रूप में 4

आ) प्रार्थना 4

इ) मिथक 4

ई) सर्वेश्वरवाद (Pantheism) 4

उ) ईश्वर सम्बन्धी 'सम्भव संसारों में से सर्वोत्तम संसार' प्रमाण (Best of Possible worlds Theodicy) 4

ऊ) अज्ञेयवाद (Agnosticism) 4

ए) धार्मिक कट्टरतावाद (Religious Fundamentalism) 4

ऐ) संस्कृतिकरण (Culturisation) 4